

हैं कि इस उसकी कालावधि के बाद इत्याद की दृष्टि से आत्म निर्भर हो जाएंगे।

SLACK COAL

*1609. **Shri Kelappan**: Will the Minister of **Production** be pleased to state:

(a) whether there is a proposal to set up a plant for upgrading the fuel value of slack size coal of all grades; and

(b) the quantity of slack coal that is being wasted at present?

The Minister of Production (Shri K. C. Reddy): (a) It is presumed that the hon. Member is referring to the proposal to wash the coal to reduce its ash content and thereby increase its fuel value. Certain recommendations made by the Coal Board for the setting up of washing plants for washing metallurgical coal produced in the country are now under Government's consideration.

(b) It cannot be said that any quantity of slack coal is being "wasted" at present. Slack coal is used mostly for brick burning purposes, but owing to the inadequate wagon supply for movement of coal it is not possible to supply the full requirements of slack coal and due to this cause there is some accumulation of slack coal at the pit-heads.

HONNEMARADU PROJECT

*1614. **Shri Wodeyar**: Will the Minister of **Planning** be pleased to refer to the reply given to starred question No. 1322 on the 17th December, 1954 and state the progress achieved so far in regard to the finalisation of the Honnemaradu Project in Mysore State?

The Deputy Minister of Irrigation and Power (Shri Hathi): The Project is still under Technical Examination.

COTTON

*1618. **Sardar Iqbal Singh**: Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) the contracts, if any, that Government have entered into with (i) Egypt and (ii) Uganda during the year 1954-55 for the purchase of cotton; and

(b) when the cotton is expected to reach India?

The Deputy Minister of Commerce and Industry (Shri Kanungo): (a) None.

(b) Does not arise.

यूरीनियम, मोनाजाइट आदि

* १६२३. श्री राम शंकर लाल: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भूतत्वीय विभाग ने अभी हाल में बुंदेलखंड तथा विन्ध्य प्रदेश का सर्वेक्षण किया है; और

(ख) यदि हां, तो इस सर्वेक्षण के परिणाम-स्वरूप इन क्षेत्रों के किन किन स्थानों में यूरीनियम, मोनाजाइट तथा अन्य खनिज पाए गए हैं?

प्रधान मंत्री तथा बंदीशक-कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू): (क) जी हां, और यह अभी जारी है।

(ख) अभी तक इन प्रदेशों के थोड़े हिस्सों में यह काम किया गया है। यूरीनियम, मोनाजाइट वगैरह बहुत कम मिले हैं।

छोटे पैमाने के उद्योगों का बार्ड

* १६२६. श्री एम० एल० द्विवेदी: क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:

(क) छोटे पैमाने के उद्योगों के बार्ड की ६ जनवरी, १९५५ की बैठक में जो निर्णय किए गए थे उनको क्रियान्वित करने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है अथवा करने वाली है; और

(ख) इन सिफारिशों को क्रियान्वित करने के लिए कितने धन की आवश्यकता होगी?

वाणिज्य तथा उद्योग उपमंत्री (श्री कामूनजी): (क) इस सम्बन्ध में सदन की मंजूरी पर एक विवरण उपस्थित किया जाता है। (बीकए पीरिशिट्ट ८, अनुबन्ध संख्या २८)।